बिहार मैट्रिक परीक्षा 2025

Non Hindi

10th/12th

U/H

3:30PM

vvi Subjective

परीक्षा में आने वाला प्रश्न

By Ashfaque sir

मैट्रिक परीक्षा -2025
रफ्तार BATCH
Notes PDF Model Set
Objective Subjective Question Bank
Rs. 399/-
Big Offer
FULL COURSE
MOB : 8210423200

1. हामिद मिठाई या खिलौने के बदले चिमटे का चयन करता है क्यों?

उत्तर- हामिद चार-पाँच साल का नन्हा बालक है लेकिन अभावग्रस्त जीवन उसे परिपक्व बना दिया था। वह समझता था कि मिठाई या खिलौने से थोड़ी देर के लिए ख़ुशी मिलेगी। उसे ख्याल आता है कि उसकी दादी के पास चिमटा नहीं है, जिस कारण अक्सर उसके हाथ रोटी सेंकते वक्त जल जाते हैं। इसलिए हामिद अन्य बच्चों की तरह मिठाई या खिलौने न लेकर चिमटा खरीदता है।

2. सिरचन किस तरह की कारीगरी करता था?

उत्तर- सिरचन जाति का कारीगर था। एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता। मोथी घास और पटेर की रंगीन शीतलपाटी, बाँस तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी चुन्नी रखने के लिए पूँज की रस्सी के बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी टोपी तथा इसी तरह के काम सिरचन कर कारीगर बन गया था।

3. हुंडरू का झरना कैसे बना है?

उत्तर- स्वर्णरेखा नदी जहाँ पहाड़ को पार करने की चेष्टा में पहाड़ पर चढ़ती है, वहाँ पानी की कई धाराएँ हो जाती है, और जब सब धाराएँ एक होकर पहाड़ से नीचे गिरती है तो एक विचित्र दृश्य दिखलाई देता है, यहाँ हुंडरू का झरना है। इसकी ऊँचाई 243 फ़ुट है।

4. अशोक का मन युद्ध से कैसे बदला ?

उत्तर- कलिंग के महाराज के मारे जाने और उनके सेनापति के बंदी हो जाने के बाद युद्ध का नेतृत्व करने महाराज की कन्या पद्मा आती है। अशोक अपने सामने स्त्रियों की सेना देखकर हथियार फेंक देते हैं। पद्मा युद्ध के लिए ललकारती है, तो अशोक कहते हैं कि शास्त्र स्त्रियों से युद्ध करने की इजाजत नहीं देता। पद्मा कहती है क्या शास्त्र की आज्ञा है कि तुम निरपराधियों की हत्या करो? अशोक सिर झुका लेते हैं। और उनका मन पिघल जाता है और मन ही मन कभी युद्ध न करने का निर्णय लेते हैं।

5. ईर्ष्या को अनोखा वरदान क्यों कहा गया है?

उत्तर- ईर्ष्या को अनोखा वरदान इसलिए कहा गया है कि जिस मनुष्य में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनंद नहीं उठाता, जो उसके पास मौजूद हैं, बल्कि उन वस्तुओं से दु:ख उठाता है, जो दूसरों के पास हैं। उसके मन में अपनी वस्तु से संतोष नहीं होता, परायी वस्तु से डाह होती है।

6. लेखक को बीमार पड़ने की इच्छा क्यों हुई?

उत्तर- लेखक पैंतीस वर्ष का हट्टा-कट्टा आदमी है। आजतक वह कभी बीमार नहीं पड़ा। लोगों को बीमार देखकर लेखक को बीमार पड़ने की इच्छा होती है। लेखक की यह भी इच्छा रहती है कि बीमार पड़ने पर पत्नी उनकी खूब सेवा करेगी और हंटले बिस्कुट खाने को मिलेगा। साथ ही दोस्त लोग आकर मेरे सामने बैठेंगे और गम्भीर मुद्रा में मेरा हाल चाल पूछेंगे।

7. आप अपने को कर्मवीर कैसे साबित कर सकते हैं?

उत्तर- हम अपने को कर्मवीर साबित करने के लिए असंभव कार्य को संभव कर ही दम लेंगे, विघ्न बाधाओं को देखकर घबराएँगे नहीं। अपने कर्मबल और बुद्धिबल से हर मुश्किल को आसान बनाकर, उसे हँसते-हँसते पूरा कर लेंगे। हम उत्साह और पुरुषार्थ का परिचय देते रहेंगे।

8. दुर्जन का साथ किस प्रकार हानिकारक है?

उत्तर- अच्छे लोगों के संगति में यदि दुर्जन आते भी हैं तो उनके स्वभाव में परिवर्तन नहीं होता है। ऐसे लोगों को सुधारना मुश्किल होता है, चाहे हम कितना ही प्रयास न कर लें। जैसे हींग को कपुर में रख देने के बाद भी हींग में कर्पूर का सुगंध नहीं आता। इसलिए दुर्जन का साथ हानिकारक होता है|

9. आपको यदि ईश्वर/ अल्लाह से कुछ माँगने की जरूरत हो तो आप क्या क्या माँगेंगे ?

उत्तर- यदि ईश्वर / अल्लाह से हमें कुछ माँगने की जरूरत हो तो हम यही प्रार्थना करेंगे कि मुझे बुराई से बचाना तथा जो नेक यह हो उसी पर चलने की सीख देना। हममें इतनी शक्ति देना कि हम गरीबों, दर्दमन्दों और वृद्धों की हिमायत कर सकें।

10. लक्ष्मीबाई का बचपन किस प्रकार के खेलों में बीता?

उत्तर- लक्ष्मीबाई बचपन में बरछी, ढाल, तलवार, कृपाण आदि हथियारों से खेला करती थी । ये हथियार ही उनके खिलौने थे। बचपन से ही सैन्य शिक्षा में उनकी रुचि थी। नकली युद्ध करना, व्यूह रचना, सैनिकों को घेरना, दुर्ग तोड़ना, घोड़े पर चढ़ना, तलवार बरछी चलाना उसका प्रतिदिन का खेल था। इस प्रकार घातक हथियारों से खेलने में उसका बचपन बीता।

11. कबीर के अनुसार ईश्वर का निवास कहाँ है?

उत्तर- कबीर के अनुसार, ईश्वर मंदिर, मस्जिद, काबा काशी, क्रिया-कर्म अथवा योग-वैराग में नहीं है। वह सच्चे हृदय में निवास करता है। वह सच्चे मन से तलाश करने पर क्षणभर में मिलता है। ईश्वर बाहर नहीं भीतर है।

12. सुदामा की दीन दशा देखकर श्रीकृष्ण किस प्रकार भाव-विह्वल हो गये?

उत्तर- सुदामा की दीन-दशा देखकर श्रीकृष्ण करुणा से भर गये और उनकी आँखों से आँसू बह चले। पानी से भरी परात को छूने की भी जरूरत नहीं पड़ी, कृष्ण ने अपने आँसुओं से सुदामा के पाँव धो डाले।

13. गुरु के यहाँ की किस बात की बाद श्रीकृष्ण ने सुदामा को दिलाई ?

उत्तर- एक बार आश्रम में गुरुमाता ने सुदामा और कृष्ण को खाने के लिए चना देती है। सुदामा अकेले ही इसे पूरा खा जाते हैं। कृष्ण को कुछ भी नहीं देते। गुरु के यहाँ की यही बात कृष्ण याद दिलाते हुए कहते हैं सुदामा तुम तो बचपन से ही चोरी करने में प्रवीण हो।

14. 'हौसले की उड़ान' पाठ के अनुसार जैनव खानम का परिचय दें।

उत्तर- जैनव खानम, मथुरापुर कहतरवा पंचायत शिवहर के 94 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल रहमान की पोती है। इसके माता-पिता फुलबीबी और मोहम्मद मंसूर खान है। पर्दा प्रथा की जकड़बंदी के बावजूद वह बी० ए० में पढ़ रही है। ब्लू बेल्ट प्राप्त जैनव आत्मरक्षार्थ लड़कियों को कराटे का प्रशिक्षण भी दे रही है। दृढ इच्छा शक्ति के कारण असाधारण कार्य कर समाज के हौसले को बढ़ाया है।

15. सगुण भक्तिधारा और निर्गुण भक्तिधारा किसे कहते हैं?

उत्तर- सामान्यतः ईश्वर भक्ति के दो रूप माने गए हैं— सगुण भक्तिधारा और निर्गुण भक्तिधारा। सगुण भक्तिधारा में ईश्वर के साकार रूप की आराधना की जाती है। जबकि निर्गुण भक्तिधारा में ईश्वर के निराकार

(बिना आकार के) स्वरूप की आराधना की जाती है।

H.W

सगुन भक्ति धारा

निर्गुन भक्ति धारा किसे कहते है?